



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 15, 2005/माघ 26, 1926

No. 21]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 15, 2005/MAGHA 26, 1926

ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया

अधिसूचना

मुम्बई, 3 फरवरी, 2005

ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया की उप-विधियों में संशोधन

सं. 0321/04/एल एण्ड एस/008.—[(1) सेबी द्वारा दिनांक 02 जून, 2003 के परिपत्र सं. सेबी/एसएमडी/एसई/सर-20/2003/02/06 तथा 30 जून, 2004 के परिपत्र सं. एमआरडी/डीएसए/ओटीसीआई/13978/2004 और ओटीसीआई के शासी बोर्ड द्वारा 13 अप्रैल, 2004 को पारित परिपत्र संकल्प द्वारा यथा निर्देशित (2) 21 अप्रैल, 2004 के सेबी परिपत्र सं. सेबी/एम आर डी/पॉलिसी/एटी/सर-19/2004 तथा 09 जुलाई, 2004 के पत्र सं. एमआरडी/डीएसए/ओटीसीआई/14872/2004 तथा ओटीसीआई के शासी बोर्ड द्वारा 19 जुलाई, 2004 को यथा-अनुमोदित (3) शासी बोर्ड द्वारा 24 फरवरी, 2004 को आयोजित अपनी बैठक में अनुमोदित तथा सेबी द्वारा 13 अगस्त, 2004 के पत्र सं. एम आर डी/डीएसए/ओटीसीआई/17879/2004 द्वारा अनुमोदित (4) सेबी का 3 फरवरी, 2004 का परिपत्र सं. डीएनपीडी/सर-9/04, 13 अगस्त, 2004 के पत्र सं. एमआरडी/डीएसए/ओटीसीआई/17880/2004 के जरिए सेबी अनुमोदन और शासी बोर्ड द्वारा 19 अगस्त, 2004 को आयोजित बैठक में अनुमोदित (5) दिनांक 18 जुलाई, 2001 का सेबी परिपत्र सं. एसएमडीआरपीडी/पॉलिसी/सर-39/2001 तथा 13 अगस्त, 2004 के पत्र सं. एमआरडी/डीएसए/ओटीसीआई/17880/2004 के जरिए सेबी का अनुमोदन और शासी बोर्ड द्वारा 19 अगस्त, 2004 को आयोजित अपनी बैठक में अनुमोदित (6) दिनांक 16 जुलाई, 2000 का सेबी परिपत्र सं. एसएमडीआरपी/सीओएमपीबीएम/1928, 13 अगस्त, 2004 के पत्र सं. एमआरडी/डीएसए/ओटीसीआई/17880/2004 के जरिए सेबी का अनुमोदन तथा शासी बोर्ड द्वारा 19 अगस्त, 2004 को आयोजित अपनी बैठक में अनुमोदित]

(1) उप-विधियों के अध्याय XVII नई धारा 3

03. सिर्फ एक्सचेंज में सौदा करने के पात्र सदस्य उप दलाल के रूप में सहायक कंपनी के माध्यम से सौदा करने/सौदा करना जारी रखने के लिए पात्र है और कोई अन्य ग्राहक/उप दलाल सहायक कंपनी की ओर से सौदा करने के लिए पात्र नहीं है।

(2) उप-विधियों के अध्याय X की धारा 7 में संशोधन

07. लेन-देन, नियत तारीखें तथा निपटान

ग्राहक ऐसी सभी राशियों को सीधे ट्रेडिंग सदस्य को अदा करेगा जो ट्रेडिंग सदस्य ग्राहक की

और से एक्सचेंज/क्लियरिंग एजेन्सी को अदा करने के लिए दायी है। ऐसा भुगतान उस तारीख से कम से कम एक बैंकिंग कार्य दिवस पूर्व करना होगा जिस तारीख को ट्रेडिंग सदस्य को ऐसे भुगतान से संबंधित इन उप-विधियों तथा नियमों में दिये गये प्रावधानों के अनुपालन में पे-इन के प्रति एक्सचेंज या क्लियरिंग एजेन्सी को भुगतान करना है।

सदस्य संविदा के निष्पादन के 24 घंटे के भीतर सभी लेन-देन के लिए ग्राहक को एक संविदा नोट जारी करेगा।

एक्सचेंज सौदों को क्रमानुसार निपटायेंगे अर्थात् पहले निपटान का पे-इन और पे-आउट अनुवर्ती निपटान के पे-इन तथा पे-आउट के प्रारंभ होने से पहले पूरा किया जायेगा।

एक्सचेंज समय-अनुसूची का पूर्ण पालन करेगा जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि निपटान उसी दिन पूरे होते हैं।

एक्सचेंज का क्लियरिंग हाउस सभी निपटानों के लिए ऑटो डीओ सुविधा निष्पादित करेगा ताकि सभी निपटानों के लिए उसी दिन सदस्य के पास निधियां तथा प्रतिभूतियां उपलब्ध हो सकें जिसके द्वारा उसी दिन की समाप्ति तक ग्राहक स्तर पर निधियों/प्रतिभूतियों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकें।

सदस्यों को पे-आउट दिवस के बाद एक कार्यदिवस के भीतर अपने संबंधित पूल खाते से प्रतिभूतियों को अपने ग्राहकों के संबंधित लाभार्थी खाते में अंतरित करना होगा। निर्धारित एक कार्य दिवस के पुरे पूल खाते पड़ी प्रतिभूतियों पर उनके मूल्य पर 6 आधार बिंदु प्रति सप्ताह की दर से दंड लगाया जायेगा।

(3) एक्सचेंज की उप-विधियों के अध्याय XV की धारा 22 के बाद एक नई धारा 23

23. निष्कासन पश्चात् :

निष्कासन पश्चात् प्रक्रिया शासी निकाय द्वारा समय-समय पर विनिश्चित की जाएगी (विस्तृत प्रक्रिया अनुबंध-‘क’ में दी गई है)।

अनुबंध-‘क’

निष्कासन पश्चात् प्रक्रिया

1. सेबी, वित्त मंत्रालय तथा अन्य स्टॉक एक्सचेंजों को ऐसे निष्कासन के बारे में सूचित करते हुए पत्र भेजे जाएं।
2. अन्य सदस्यों/डीलरों को ऐसे निष्कासन के बारे में सूचित करते हुए पत्र भेजे जाएं।
3. ऐसे निष्कासन की सूचना बाजार की जानकारी के लिए एक्सचेंज की वेबसाइट तथा एक्सचेंज के ट्रेडिंग स्क्रीन पर रखी जाएं।
4. यदि निष्कासित सदस्य/डीलर ने पिछले 12 महीने के दौरान किसी भी समय एक्सचेंज में लेन-देन किया है तो निष्कासन को अधिसूचित करते हुए और ग्राहकों/सदस्यों को ऐसे निष्कासित सदस्य/डीलर के साथ अपने संबंधों, यदि कुछ हैं, का ब्योरा देते हुए दावा, यदि कुछ है, दाखिल करने के लिए आमंत्रित करते हुए एक राष्ट्रीय समाचारपत्र में तथा उस केन्द्र के एक समाचारपत्र में, जहां निष्कासित सदस्य/डीलर कामकाज कर रहा है, सार्वजनिक विज्ञापन जारी किया जाए।

5. निष्कासन पर संबंधित निष्कासित सदस्य/डीलर को पत्र भेजा जाए. पत्र में निष्कासित सदस्य/डीलर को पत्र के प्राप्त होने की तारीख से 14 दिन के भीतर लेखा बहियां प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देश दिये जाएं.
- क) यदि निष्कासित सदस्य/डीलर ने अपनी लेखा बहियां प्रस्तुत करने के लिए और अधिक समय मांगते हुए एक्सचेंज को लिखा है तो 14 दिन की समय-सीमा दी जाए और उसे अनुशासनिक समिति को सूचित किया जाए.
- ख) यदि निष्कासित सदस्य/डीलर नियत अवधि के भीतर बहियां प्रस्तुत करने में चूक करता है तो निदेशकों/प्रोप्राइटरों को 14 दिन का और समय देते हुए उनके आवास पर पत्र भेजे जाएं.
- ग) यदि निष्कासित सदस्य/डीलर लेखा बहियां प्रस्तुत नहीं करता है तो अनुशासनिक समिति को आगे की कार्रवाई के लिए इसकी सूचना दी जाए.
6. यदि बहियां/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाते हैं, ऐसे रिकॉर्डों की एक सूची बनायी जाए और निष्कासित सदस्य/डीलर के कार्यों की स्थिति को सुनिश्चित करने के लिए रिकार्डों की जांच की जाए.
7. देय राशियों की वसूली के लिए एक्सचेंज कानूनी कार्रवाई - जैसे कानूनी नोटिस, समापन नोटिस आदि जारी करना, शुरू करेगा.
8. अंत में, उपर्युक्त सभी प्रयासों के बावजूद यदि निष्कासित सदस्य/डीलर अपनी देय राशियों की अदायगी करने में चूक करता है तो उसे मामला-दर-मामला आधार पर उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा.

4. उप-विधियों के अध्याय VII की धारा 15 में 2 नये पैराग्राफ

सदस्य द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप में ऐसे फॉर्मेट में संविदा नोट भी जारी किया जाए जो समय-समय पर एक्सचेंज द्वारा निर्धारित किया जाए. इसे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 तथा इसके अधीन बनाये गये नियमों में यथाविनिर्दिष्ट रूप में डिजिटल हस्ताक्षर के साथ विधिवत् प्रमाणित किया जाए.

सदस्य सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अनुपालन में एक सॉफ्ट गैर-रद्दोबदलनीय रूप में इलेक्ट्रॉनिक संविदा नोटों का रिकॉर्ड रखेंगे.

(5) उप-विधियों के अध्याय X में एक नई धारा 10

10. सूचना का एकत्रीकरण तथा प्रसार

स्टॉक एक्सचेंज सदस्यों के ग्राहकों के ब्योरे विश्वास में रखेंगा और कि वह किसी विधि के अंतर्गत या किसी प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित मामलों में छोड़कर ग्राहक पंजीकरण फॉर्म में दिये गये ग्राहक के ब्योरे अथवा ग्राहक से संबंधित कोई अन्य जानकारी किसी अन्य व्यक्ति/संस्था को प्रकट नहीं करेगा.

(5) उप-विधियों के अध्याय XI में एक नई धारा 24

24. नीलामी आय

नीलामी आय के उपयोग में, सेबी के दावों को एक्सचेंज तथा क्लियरिंग हाउस के दावों के समतुल्य माना जायेगा.

कृते ओटीसी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि.

दीपक शाह, प्रबन्ध निदेशक

[विज्ञापन III/IV/69 जैडसी/2004-असाधा.]

OTC EXCHANGE OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 3rd February, 2005

Amendments to the Bye-Laws of OTC Exchange of India

No. 0321/04/L&S/008.—[(1) As directed by SEBI vide Circular No. SEBI/SMD/SE/Cir-20/2003/02/06 dated June 02, 2003 and MRD/DSA/OTCEI/13978/2004 dated June 30, 2004 and the Circular Resolution passed by the Governing Board of OTCEI on April 13, 2004 (2) SEBI Circular No. SEBI/MRD/Policy/AT/Cir-19/2004 dated April 21, 2004 and letter No. MRD/DSA/OTCEI/14872/2004 dated July 9, 2004 and as approved by the Governing Board of OTCEI on July 19, 2004 (3) Approved by the Governing Board at its meeting held on February 24, 2004 and approved by SEBI vide letter No. MRD/DSA/OTCEI/17879/2004 dated August 13, 2004 (4) SEBI's Circular No. DNP/SE/Cir-9/04 dated February 03, 2004, SEBI's approval vide letter No. MRD/DSA/OTCEI/17880/2004 dated August 13, 2004 and approved by the Governing Board at the meeting held on August 19, 2004 (5) SEBI Circular No. SMDRP/Policy/Cir-39/2001 dated July 18, 2001 and SEBI's approval vide letter No. MRD/DSA/OTCEI/17880/2004 dated August 13, 2004 and approved by the Governing Board at the meeting held on August 19, 2004 (6) SEBI Circular No. SMDRP/COMPVM/1928 dated July 16, 2000, SEBI's approval vide letter No. MRD/DSA/OTCEI/17880/2004 dated August 13, 2004 and approved by the Governing Board at the meeting held on August 19, 2004].

(1) **A new Clause 3 in Chapter XVII of the Bye-laws:**

03. Only members eligible to trade on the Exchange are eligible to trade/continue to trade through the subsidiary company as its sub-broker and no other client/sub-broker is eligible to trade on the subsidiary company.

(2) **Amendment to Clause 7 in Chapter X of the Bye-laws:****07. Transactions, Due Dates and Settlements**

A client shall pay to the trading member direct all sums, which the trading member is liable to pay, on behalf of the client to the Exchange/Clearing Agency. Such payment must be made at least one banking day prior to the date of which the trading member is required to make payment to the Exchange or Clearing Agency towards pay-in, in compliance with the provisions in these Byelaws and Rules relating to such payment.

Member shall issue to the client a contract note for all transactions within 24 hours of the execution of the contract.

The Exchange shall clear and settle the trades on a sequential basis i.e. the pay-in and the pay-out of the first settlement shall be completed before the commencement of the pay-in and pay-out of the subsequent settlement/s.

The Exchange shall follow a strict time schedule to ensure that the settlements are completed on the same day.

The Clearing House of the Exchange shall execute Auto DO facility for all the settlements together, so as to make the funds and the securities available with the member on the same day for all the settlements, thereby enabling the availability of the funds/securities at the client level by the end of the same day.

The members shall be required to transfer the securities from their respective pool account to the respective beneficiary account of their clients within 1 working day after the pay-out day. The securities lying in the pool account beyond the stipulated 1 working day shall attract a penalty at the rate of 6 basis point per week on the value of securities.

(3) A new clause 23 after clause 22 of Chapter XV of the Bye-laws of the Exchange

23. Post expulsion:

The post expulsion procedure shall be as decided by the Governing Board from time to time (Detailed procedure given in **Annexure - 'A'**)

Annexure - 'A'

Post Expulsion Procedure

1. Letters to be sent to SEBI, MOF and other Stock Exchanges informing them of such expulsion.
2. Letters to be sent to other members/dealers informing them of such expulsion.
3. A notice informing of such expulsion to be put on the website of the Exchange and the trading screen of the Exchange, for the information of the market.
4. Public Advertisement to be given, in one national newspaper and one in the centre where the expelled member/dealer is operational, notifying the expulsion and inviting clients/members to file claims, if any, along with the details of their relationship, if any, with such expelled member/dealer, if the expelled member/dealer had traded on the Exchange at any time during the previous 12 months.
5. Letter to be sent to the concerned expelled member/dealer on expulsion. The letter should also direct the expelled member/dealer to submit books of accounts within 14 days from the date of receipt of the letter:
 - a. If an expelled member/dealer has written to Exchange seeking more time to submit his books of accounts; a time frame of 14 days to be given and the same is informed to the Disciplinary Committee.
 - b. If the expelled member/dealer fails to deliver books within stipulated time, letters are to be sent to residences of Directors/Proprietors giving them 14 days further time.
 - c. In case the expelled member/dealer does not submit the books of accounts the same to be informed to the Disciplinary Committee for further action as directed by the Committee.
6. In case books /documents are submitted, a list of all such records to be maintained & the records be inspected for ascertaining the state of affairs of the expelled member/dealer.

512 41/2005-2

7. For recovery of the dues, the Exchange will initiate legal proceedings such as issuing legal notices, winding up notices etc.
8. Finally in spite of all the above efforts, if the expelled member/dealer fails to clear his dues the same will be placed before the Board for taking appropriate action on case to case basis.

4. **Two new paragraphs in clause 15 of Chapter VII of the Be-laws:**

A contract note may also be issued by a member in electronic form in such format as may be prescribed by the Exchange from time to time, duly authenticated by means of digital signature as specified in the Information Technology Act, 2000 and Rules made there-under.

Members shall keep a record of electronic contract notes in a soft non-tamperable form in compliance with the provisions of the Information Technology Act, 2000.

(5) **A new clause 10 in Chapter X of the Bye-laws:**

10. **Collection and Dissemination of Information**

The Stock Exchange shall maintain the details of the clients of the members in confidence and that it shall not disclose to any person/entity such details of the client as mentioned in the client registration form or any other information pertaining to the client except as required under the law or by any authority.

(6) **A new clause 24 in Chapter XI of the bye-laws:**

24. **Auction Proceeds**

In the use of the auction proceeds, claims of SEBI will be treated on par with the claims of the Exchange and the clearing house.

For OTC Exchange of India
DIPAK SHAH, Managing Director
[ADVT. III/TV/69ZC/2004-Exty.]